शोध रूपरेखा का प्रारूप

प्रस्तावित शोध का विषय

प्रस्तावना

शोध अध्ययन का उद्देश्य

चयनित विषय में पूर्व शोध कार्य का संक्षिप्त सिंहावलोकन

प्रस्तावित शोध प्रविधि

प्रस्तावित शोध कार्य के अपेक्षित निर्गम

निर्देशक	सह निर्देशक	शोधार्थी
डॉ. अशोक कुमार मिश्रा	**डॉ. एस.एस.खनूजा**	**जगदीश कुमार साहू**
सह–प्राध्यापक, विभागाध्यक्ष	प्राचार्य	सहायक प्राध्यापक
सेंट थॉमस महाविद्यालय	दुर्गा महाविद्यालय	महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल
भिलाई,(छ.ग.)	रायपुर (छ.ग.)	महाविद्यालय,रायपुर (छ.ग.)

प्राचार्य
दुर्गा महाविद्यालय, रायपुर
शोध केन्द्र : दुर्गा महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

SYNOPSIS
रूपरेखा

1. प्रस्तावित शोध का विषय –

''छत्तीसगढ़ राज्य में डाकघर की प्रमुख बचत एवं जमा योजनाओं का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन''
(2002 से 2012)
(वाणिज्य विषयान्तर्गत)

2. प्रस्तावना

भारत में डाकघर का अपना महत्वपूर्ण स्थान है । प्रारंभ से आज तक डाकघर ने भारतीय अर्थव्यवस्था में अपनी महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका निभाई है । जहां भारत जैसे विकासशील देश में विभिन्न वित्तीय संस्थाएं है वहां डाकघर ने प्रारंभ से ही बचत योजनाओं व साथ ही अन्य सेवाओं के साथ अपना सराहनीय कार्य किया है । बैंकिंग व्यवस्था साख मुद्रा का निर्माण कर अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का महत्वपूर्ण कार्य करती है । बैंक जनता के पास निष्क्रीय पड़ी धनराशियों को निक्षेप के रूप मे स्वीकार कर उसे उपयोगी पूंजी का स्वरूप प्रदान करते है । किसी भी देश की आर्थिक प्रगति में उस देश की पूंजी का महत्वपूर्ण योगदान होता है । पूंजी में वृद्धि बचत से ही हो सकती है । बचत के द्वारा एक ओर जहॉ जन साधारण अपनी राशि अन्यत्र जमा कर लाभ प्राप्त कर सकता है वहीं दूसरी ओर पूॅजी निर्माण में वृद्धि होती है ।

भविष्य की अनिश्चितता को ध्यान में रखकर प्राचीन काल से लेकर आधुनिक युग तक अधिकांश लोगों के द्वारा बचत करने का प्रयास किया जाता रहा है । प्राचीन काल से ही लोगों में बचत करने की प्रवृत्ति देखी जाती रही है । बचत प्राचीन काल में भी किया जाता था और वर्तमान मे भी किया जाता है । परिवर्तन केवल बचत को विनियोग करने के तरीकों में हुआ है । वर्तमान में बचत बैंकों, वित्तीय संस्थाओं, बीमा कम्पनियों तथा डाकघर में विनियोग कर दी जाती है । बचत से न केवल भविष्य की सुरक्षा होती है अपितु बचत पूॅजी निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देती है । इसी प्रकार ग्रामीण क्षेत्रों की बचत राशि को संग्रहीत करने तथा बचत बैंक संबन्धी सुविधा प्रदान करने के लिये डाकघरों में बचत बैंक की स्थापना की गई । जिससे ग्रामीण क्षेत्र की बचत को संग्रहीत किया जा सके । प्रस्तुत अध्ययन में कार्यरत डाकघरों द्वारा चलाई जाने वाली बचत एवं जमा योजनाओं के महत्व एवं उसका शहरी एवं ग्रामीण बचत पर पड़ने वाले प्रभावों को जानने हेतु इसका विस्तृत अध्ययन करना आवश्यक समझा गया ।

2. शोध अध्ययन का उद्देश्य –

1. छ.ग. राज्य में डाकघर की स्थितियों का अध्ययन करना ।
2. डाकघर की प्रमुख बचत एवं जमा योजनाओं का अवलोकन करना ।
3. डाकघर की बचत एवं जमा योजनाओं में विगत 10 वर्षो में जमा की गई राशि का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना ।
4. डाकघर की बचत एवं जमा योजनाओं में विगत 10 वर्षो में खोले गए खातों की संख्या तथा जमा राशि के मध्य संबंधों तथा उच्चावचन का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना ।
5. समस्याएँ एवं उनके विकास में बाधक तत्वों का अवलोकन कर उनके निराकरण के लिए उपाय सुझाना एवं निष्कर्ष ।

3. चयनित विषय में पूर्व शोध कार्य का संक्षिप्त सिंहावलोकन –

डाकघर के विषय में कुछ शोधार्थियों ने पूर्व मे अध्ययन किया है –

(कु. मीनी गुप्ता) 1993

''रायपुर संभाग में डाकघर बचत योजनाओं और कतिपय अधिकोषण बचत योजनाओं का सापेक्षिक अध्ययन ''

शोधार्थी ने डाकघर की विभिन्न बचत योजनाओं के माध्यम से बचत करने व इस बचत से प्राप्त होने वाली राशि का प्रदेश व देश के विकास कार्यो में उपयोग होने से सम्बन्धित अध्ययन किया है । शोधार्थी ने शोध के दौरान यह पाया कि शहरी क्षेत्र के 40 प्रतिशत लोगो को डाकघर की बचत योजनाओं के विषय मे जानकारी नही है व अन्य 40 प्रतिशत लोगो को सामान्यजानकारीयॉ है केवल 20 प्रतिशत लोगों को ही पूर्ण जानकारी है और ग्रामीण क्षेत्रों मे जानकारीयों का अभाव है। इन्ही कारणो एवं बचत योजनाओं की जानकारी मे वृद्धि करने के लिए उपाय व सुझाव प्रदान कि गई है ।

Sundar G Hari, & Jacob Prashob (Vol 2 ISS 1 JAN - JUNE 2009)

Post Office Savings and its Relevance in Rural Areas – A Study on the Impetus for Rural Investment with Reference to Kumbalangi in Cochin

अध्ययन का उद्देश्य

- ❖ व्यक्तियों की बचत की आदत का आकलन करना ।
- ❖ डाकघर बचत योजना के प्रति लोगों की जागरूकता को समझना ।
- ❖ अपनी पूंजी को डाकघर में जमा करने के लिए प्रेरित करना ।

लेखक ने अध्ययन मे यह पाया कि आज भी अन्य निजी प्रतियोगियो की योजनाओं कि तरह डाकघर के योजनाओं का प्रचार प्रसार सही ढंग से नही किया गया है जिससे कि लोगो को इनके योजनाओं की पूर्ण जानकारी प्राप्त नही होती है और वे अपनी पूंजी अन्यत्र विनियोजीत करते है । डाकघर की बचत योजनाओं के बारे में ग्रामीण व शहरी लोगों के बीच अधिक जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता है और लोगो को बचत के प्रति प्रेरीत करना आवश्यक होगा ।

Small Savings Schemes Of The Government Of India

अध्ययन का उद्देश्य

- ❖ लघु बचत योजनाओं के लिए सुरक्षित और आकर्षक निवेश विकल्प प्रदान करना ।
- ❖ बचत योजनाओं से विकास के लिए संसाधन एकत्र करना ।

उक्त अध्ययन में डाकघर की बचत योजनाओं के योजनाओं को निवेश के एक विकल्प के रूप मे प्रस्तुत किया गया है व उक्त बचत से प्राप्त राशि से विकास के लिए पूंजी एकत्र करने व उनके उपयोग से विकास के लिए संसाधन एकत्र करने के माध्यम के रूप मे व्यक्त किया गया है व इनके योजनाओं पर प्रकाश डाला गया है ।

Elaine Kempson and Andrea Finney (2009)

Saving in lower-income households

अध्ययन का उद्देश्य

- ❖ कम आय वाले परिवारों मे बचत की प्रवृत्ती का अध्ययन ।
- ❖ बचत को विनियोजित करने में होने वाली समस्याओं व बाधाओं का अध्ययन ।

उक्त अध्ययन मे कम आय वाले परिवारों के बीच औपचारिक रूप से बचत को प्रोत्साहित करने व उनमे बचत की समझ को बढाने के विषय मे अध्ययन किया गया है । इसमें बचत को प्राथमिकता के क्रम मे व्यवस्थित करने व उनमे छाटी बचतों के अलावा उच्च लाभ प्राप्ती के लिए बडे बचतों में निवेश करने व उच्च जीवन स्तर प्राप्त करने सम्बन्धी बातों कि जानकारीयॉ प्रदान की गई है ।

Furnham Adrian (1999)

The saving and spending habits of young people

अध्ययन का उद्देश्य

- ❖ बच्चो व किशोरों मे पैसे बचाने की प्रवषत्ति का अध्ययन ।
- ❖ बच्चो व किशोरों द्वारा पैसे अर्जित करने के माध्यम का अध्ययन ।
- ❖ बचत व ऋण के मघ्य सम्बन्ध स्थापित करना ।

इस अध्ययन मे युवा व उनके माता–पिता की मौद्रिक व आर्थिक स्थिति व उनके बचत के नजीरियें को जानने का प्रयास किया गया है ।बच्चो के द्वारा उन्हे प्राप्त होने वाले जेब खर्च व उपहारों की राशियों के बचत को विनियोजित करने के तरिकों का अध्ययन करने का प्रयास किया गया है । बच्चो को प्राप्त होने वाली मुद्रा की मात्रा व उनकी उम्र के अनुसार सोच व भावनाओं के आधार पर राशि बचत करने की प्रवित्तीयों का मनोवैज्ञानिक विषलेषण किया गया है । युवाओं के रोकड जमा करने के पिछे छिपे उद्देश्यों को उजागर करना इस अध्ययन का मूल उद्देश्य था ।

Palanivelu V.R. & Chandrakumar K.

A Study on Preferred Investment Avenues among Salaried Peoples with Reference to Namakkal Taluk,Tamil Nadu,

अध्ययन का उद्देश्य

- ❖ वेतनभोगी लोगों में निवेश की वरीयता का अध्ययन करना ।
- ❖ निवेश को प्रभावित करने वाले कारको की पहचान करना ।
- ❖ वेतन भोगी लोगो मे निवेश के पैटर्न का अध्ययन करना ।
- ❖ निवेशकों को होनी वाली समस्यांओ का अध्ययन करना ।

उपरोक्त अध्ययन को वेतनभोगीयों मे निवेश के विकल्पो के साथ शुरू किया गया है इनके निवेश के विकल्पो के विश्लेषण करने के उद्देश्य से ही उपरोक्त विषय का चयन किया गया था इस अध्ययन मे यह पाया गया कि तमिलनाडू मे रहने वाले वेतनभागी लोगों मे अपने बचत को निवेश करने के लिए सही योजना का चुनाव करने मे होने वाली परेशानियो व समस्याओं का अध्ययन किया गया है जिसमे यह बताया गया है कि उन्हे केवल सीमित बचत योजनाओं की ही जानकारीयां होती है व उन्ही योजनाओं मे उनके द्वारा राशि जमा कराई जाती है । उन लोगो तक नई योजनाओं की जानकारीयों का अभाव पाया गया है । जिससे वे डाकघरों मे अपनी छोटी–छोटी बचतो की राशी को जमा करते है ।

4. प्रस्तावित शोध प्रविधि :

शोध अध्ययन आर्थिक हो या सामाजिक अथवा व्यावसायिक समस्या से संबंधित, उसकी पूर्व योजना प्रारंभ से ही बना ली जाती है ताकि विस्तृत विश्लेषणात्मक अध्ययन के बाद स्पष्ट व महत्वपूर्ण निष्कर्ष प्राप्त हो सके । इस शोध अध्ययन के उद्देश्यों की पूर्ति तथा निर्धारित परिकल्पनाओं के सटीक सत्यापन के लिए विभिन्न प्रकार की सूचनाओं, समंकों एवं अभिमतों की आवश्यकता प्रतीत हुई । इस परिप्रेक्ष्य में प्राथमिक व द्वितीयक दोनों ही प्रकार की सामग्रियों को संग्रहीत किया जाएगा । जिसके लिए निम्नांकित प्रक्रिया का अनुसरण किया जाएगा ।

(अ) क्षेत्र सर्वेक्षण व आंकडों का संग्रहण

(ब) आंकड़ों का विश्लेषण

(अ) क्षेत्र सर्वेक्षण व आंकडों का संग्रहण :–

विषय सामग्री की प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करने हेतु, निर्धारित प्रश्नावलियों, व्यक्तिगत संपर्क एवं साक्षात्कार के माध्यम से विषय संबंधित सूचनाओं व आंकड़ों का संग्रहण किया जावेगा । इस कार्य मे दैव निदर्शन रीति का प्रयोग किया जावेगा । मेरे द्वारा एक प्रश्नावली का निर्माण किया गया है जिसे निवेश्कों को स्वयं जानकारी भरने के लिए दिया जावेगा व उनके जानकारी भरने के पश्चात एकत्र किया जावेगा ताकि उनके द्वारा प्रदान कि गई जानकारियों के आधार पर कोई ठोस निष्कर्ष निकाला जा सके इसके लिए मैने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कुल मिलाकर 300 निवेशकों का चुनाव किया है ।

द्वितीय ऑकड़ों के संग्रहण हेतु छत्तीसगढ़ संभाग में डाकघर विभाग से संबंधित प्रकाशित पत्र, पत्रिकाएं, प्रतिवेदनों तथा अभिलेखों से भी सामग्रियों, आकंड़ों का संकलन किया जावेगा ।

(ब) आंकड़ों का विश्लेषण

शोध समंको का विभिन्न सांख्यिकीय मापों, अनुपात निर्वचन तथा सारणीयन विधि, रेखीय संगणना विधि तथा आरेखीय चित्रण आदि से संबंधित गणितीय सूत्रों का स्थिति विश्लेषण किया जायेगा । शोध प्रविधि पर्याप्त लोचपूर्ण होगी ।

शोध परिकल्पना –

प्रस्तावित शोधकार्य ''छ.ग. राज्य में डाकघर की प्रमुख बचत एवं जमा योजनाओं का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन'' की बचत एवं जमा योजनाओं की क्या स्थिति है । राज्य के आर्थिक विकास में उनकी क्या भूमिका है का विश्लेषणात्मक अध्ययन है ।

प्रस्तावित शोधकार्य में यह परिकल्पना की गई है कि –

1. छ.ग. में डाकघरों में बचत एवं जमा योजनाओं के विकास की पर्याप्त संभावना है ।
2. डाकघर में बचत एवं जमा योजनाओं के विकास से प्रदेश के लोगों में बचत के प्रति रूझान में वृद्धि होगी ।
3. बचत विनियोग से पूँजी निर्माण होने से छ.ग. राज्य जैसे विकासशील राज्य का आर्थिक एवं सामाजिक विकास संभव होगा ।

5. प्रस्तावित शोध कार्य के अपेक्षित निर्गम –

1 नवम्बर 2000 को अस्तित्व मे आया छत्तीसगढ़ राज्य नवगठित राज्य हे जो एक विकासशाील राज्य बनने की ओर अग्रसर है । प्रदेश में अपार प्राकृतिक संसाधन होते हुए भी कुछ क्षेत्र विकसित नहीं हो पाये है । अतः अन्य आर्थिक स्त्रोत्रों की पहचान जरूरी है । प्रस्तुत शोध कार्य में डाकघर ने छत्तीसगढ़ के आर्थिक विकास में क्या भूमिका निभाई है तथा इसमें उनकी विभिन्न बचत योजनाओं की भूमिका का अध्ययन किया गया है । प्रस्तुत शोध में शोधार्थी द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य में डाकघर की बचत योजनाओं का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया है । प्रस्तुत शोधकार्य को आठ अध्यायों में बॉटा गया है ।

शोध प्रबंध की रूपरेखा –

चयनित विषय – ''छत्तीसगढ़ राज्य मे डाकघर की प्रमुख बचत एवं जमा योजनाओं का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन''
(2002 से 2012)

प्रथम अध्याय – प्रस्तावना

a.1.1 डाकघर का प्रारंभ एवं विकास

a.1.2 छ.ग. में डाकघर की स्थिति

a.1.3 छ.ग. में डाकघर बचत एवं जमा योजनाओं (खातों) का प्रचलन

b.1.4 विषय की भूमिका, महत्व एवं वर्तमान शोध अध्ययन का उद्देश्य

b.1.5 शोध परिकल्पना

b.1.6 शोध प्रविधि

b.1.7 सीमाएँ (परिधि)

द्वितीय अध्याय – छत्तीसगढ़ राज्य एक सामान्य परिचय

2.1 छत्तीसगढ़ राज्य की भौगोलिक दशाएँ

2.2 आर्थिक परिवेश

2.3 उद्योग एवं वाणिज्य

2.4 परिवहन एवं संचार सुविधा

2.5 जनसंख्या वितरण

2.6 पर्यटन

2.7 विविध

तृतीय अध्याय – डाकघर की भूमिका

3.1 डाकघर की भूमिका

3.2 डाकघर का कार्य

3.3 डाकघर का संगठनात्मक स्वरूप

3.4 डाकघर का महत्व

चतुर्थ अध्याय – डाकघर की प्रमुख बचत एवं जमा योजनाओं का अध्ययन (परिचय)

4.1 डाकघर बचत बैंक खाता योजना

4.2 5 वर्षीय आवर्ती जमा खाता योजना

4.3 सावधि जमा खाता योजना

4.4 15 वर्षीय लोक भविष्य निधि खाता योजना

4.5 राष्ट्रीय बचत योजना खाता 1987

4.6 मासिक आय योजना

4.7 6 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र

पचंम अध्याय – डाकघर की प्रमुख बचत एवं जमा योजनाओं में जमा राशि का अध्ययन (2002 से 2012)

5.1 डाकघर बचत बैंक खाता योजना
5.2 5 वर्षीय आवर्ती जमा खाता योजना
5.3 सावधि जमा खाता योजना
5.4 15 वर्षीय लोक भविष्य निधि खाता योजना
5.5 राष्ट्रीय बचत योजना खाता 1987
5.6 मासिक आय योजना
5.7 6 वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र

षष्टम अध्याय – अन्य योजनाओं मे जमा कि गई राशियों व डाकघर की बचत एवं जमा योजनाओं मे जमा कि गई राशियों का तुलनात्मक अध्ययन ।

सप्तम अध्याय–समंको का संग्रहण व विश्लेषण

7.1 बचत एवं जमा योजनाओं में जमा राशियों में वर्षवार वृद्धि या कमी का विश्लेषण

7.2 बचत एवं जमा योजनाओ में जमा राशियों में वर्षवार वृद्धि या कमी का विश्लेषण प्रतिशत में

7.3 बचत योजनाओ में जमा राशियों में वर्षवार वृद्धि या कमी का विश्लेषण ग्राफीय विधि द्वारा ।

7.4 डाकघर बचत एवं जमा योजनाओं के निवशकों के द्वारा दी गई जानकारियों के आधार पर निकाला गया निष्कर्ष

अष्टम अध्याय– समीक्षात्मक निष्कर्ष सुझाव एवं संभावनाएँ

8.1 समीक्षात्मक निष्कर्ष

8.2 सुझाव

8.3 संभावनाएँ

संदर्भित ग्रंथ सूची
(BIBLIOGRAPHY)

1.	जैन. गी. एम.	–	शोध प्रविधि व क्षेत्रीय तकनीक रिसर्च पब्लिकेशन, जयपुर	2001
2.	त्रिपाठी. बद्री विशाल	–	भारतीय अर्थव्यवस्था किताब महल, इलाहाबाद	2000
3.	राव.के.वी.	–	रिसर्च मैथ्डोलाजी इन कामर्स एंड मैनेजमेंट	2004
4.	ओझा बी. एल.	–	आर्थिक विश्लेषण प्रकाशक आदर्श प्रकाशन जयपुर – 3	
5.	त्रिवेदी डॉ. आर.एन.शुक्ला	–	रिसर्च मैथडोलाजी	
6.	शुक्ला, शांता	–	छत्तीसगढ़ का सामाजिक विकास नेशनल पब्लिकेशन हाउस, नई दिल्लीचीच	2005
7.	राय एल. एल.	–	मुद्रा एवं बैंकिंग	
8.	कुलश्रेष्ठ बी.एन	–	आधुनिक भारत जनजीवन व संस्कृति	
9.	गुप्ता मदन लाल	–	छत्तीसगढ़ दिग्दर्शन भारतेन्दु हिन्दी साहित्य समिति, बिलासपुर	2002
10.	अग्रवाल जी.के.एवं पाण्डेंय एस.एन.	–	शोध एवं सांख्यिकी साहित्य भवन पब्लिकेशन	2004
11.	गुप्ता डॉ. के. एल.	–	भारत की आर्थिक समस्याएँ नवयुग साहित्य सदन, आगरा	2004
12.	दुबे आर.एन.एवं सिन्हा वी.सी.	– –	आर्थिक विकास एवं नियोजन नेश्नल पब्लिकेशन हाउस, नई दिल्ली	2002

प्रकाशित शासकीय अभिलेख, पुस्तिकाएँ व पत्रिकाएँ

1.	बचत बैंक नियंत्रण पेयरिंग और आंतरिक जांच संगठन नियम पुस्तिका 1986	–	डाक विभाग द्वारा जारी
2.	डाक नियम पुस्तक खण्ड – 3 1986	–	डाक विभाग द्वारा जारी
3.	शाखा डाकघर नियमावली – 1986	–	डाक महानिदेशक के प्राधिकार के अधीन प्रकाशित
4.	डाक नियम पुस्तक खण्ड – 6	–	डाक विभाग द्वारा जारी
5.	डाक सेवा बोर्ड और डाक विभाग के अधिकारियों की वित्तीय शक्तियों की अनुसूची	–	डाक विभाग द्वारा जारी
6.	डाकघर बचत बैंक नियम पुस्तक, खण्ड – 1	–	डाक विभाग के प्राधिकार के अधीन प्रकाशित

Courtesy From Websites

Www. Indiapost.gov.in

www.cg.nic.in

www.chhattisgarhtourism.org

www.shodhganga.inflibnet.ac.in

www.dhruvacollege.org
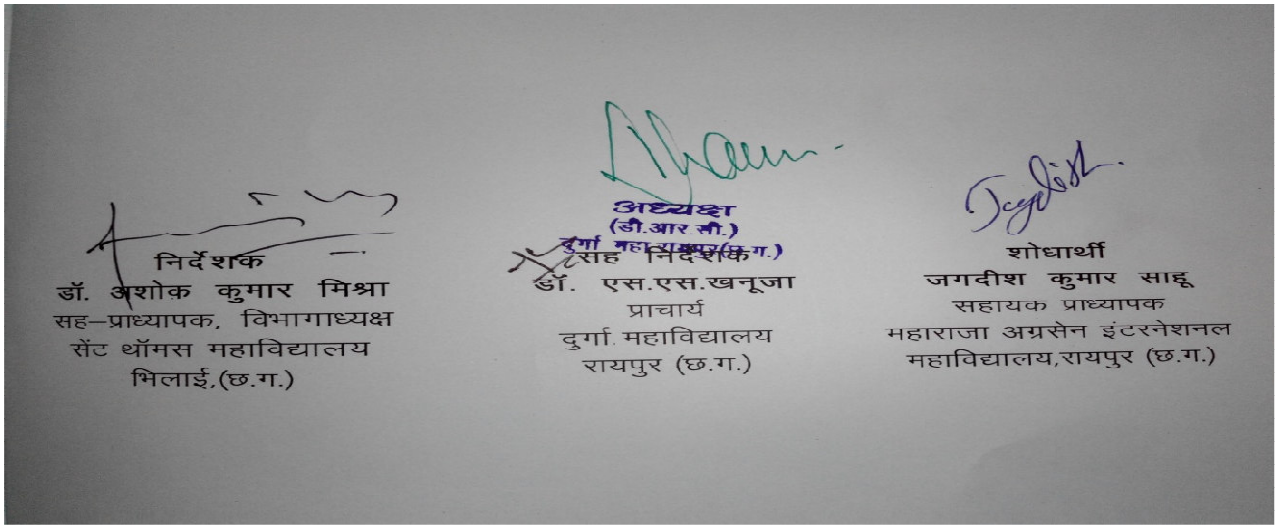
The Synopsis is hereby forwarded to the Research Degree Comittee for kind approval